

PAPER-II PRAKRIT

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____
(Name) _____
2. (Signature) _____
(Name) _____

OMR Sheet No. :
(To be filled by the Candidate)

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

J A 0 9 1 1 7

Time : 1 ¼ hours]

[Maximum Marks : 100

Number of Pages in this Booklet : 16

Number of Questions in this Booklet : 50

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
 - (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
 - (iv) The test booklet no. and OMR sheet no. should be same. In case of discrepancy in the number, the candidate should immediately report the matter to the invigilator for replacement of the Test Booklet / OMR Sheet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
Example : ① ② ● ④
where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only**. If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet on conclusion of examination.
10. **Use only Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**
13. In case of any discrepancy in the English and Hindi versions, English version will be taken as final.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
 - (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
 - (iv) प्रश्न पुस्तिका नं. और OMR पत्रक नं. समान होने चाहिए । यदि नंबर भिन्न हों, तो परीक्षार्थी प्रश्न-पुस्तिका / OMR पत्रक बदलने के लिए निरीक्षक को तुरंत सूचित करें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :
उदाहरण : ① ② ● ④
जहाँकि (3) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालाँकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**
13. यदि अंग्रेजी या हिंदी विवरण में कोई विसंगति हो, तो अंग्रेजी विवरण अंतिम माना जाएगा ।



PRAKRIT

Paper – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are compulsory.

1. Mahakavi Vāk patirāja has given this statement in his Gaudavaho
 - (1) Prakrit is originated from Sanskrit
 - (2) Prakrit was the language of only Sanskrit Dramas
 - (3) All languages are originated from the Prakrit
 - (4) Prakrit was language of only Tirthaṅkaras

2. 'Śauraseni' Prakrit is treated the language of this region
 - (1) Gujarat Janapada
 - (2) Bundelakhanda
 - (3) Mathura Janapada
 - (4) Magadh Janapada

3. The inscriptional Prakrit is considered as
 - (1) Third phase – Prakrit
 - (2) Vedic age – Prakrit
 - (3) Second phase – Prakrit
 - (4) First Phase – Prakrit

4. The name of 23rd chapter of Uṭṭarādhyayana is
 - (1) Gauṭama – Mahāvīra
 - (2) Keśī – Gauṭamīya
 - (3) Pradeśī – Keśī
 - (4) Nami – Devendra

5. Pravacanasāra was composed in this century
 - (1) First A.D.
 - (2) Fourth A.D.
 - (3) Fifth A.D.
 - (4) Sixth A.D.

6. The Prakrit form of the word Prākṛtam is
 - (1) Pāiam
 - (2) Pakiyam
 - (3) Pagayam
 - (4) Pāhūam

7. In Prakrit Sandhi is not permitted with this pair
 - (1) a + i
 - (2) ā + i
 - (3) i + u
 - (4) i + ī

प्राकृत
पण्हपत्तं – II
प्रश्नपत्र – II

नोट : इमम्मि पण्हपत्ते **पण्णासा (50)** बहु विकप्पियाणि पण्हाणि सन्ति । पत्तेगं पण्हं **दुवे (2)** अंकस्स अत्थि । **सव्वाणि** पण्हाणि कारियाणि त्ति ।

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. महाकवि वाक्पतिराजने अपने गउडवहो में यह कथन दिया है –
 - (1) प्राकृत संस्कृत से उत्पन्न हुयी है ।
 - (2) प्राकृत एकमात्र संस्कृत नाटकों की भाषा थी ।
 - (3) सभी भाषाएँ प्राकृत से उत्पन्न हुई हैं ।
 - (4) प्राकृत एकमात्र तीर्थङ्करों की भाषा थी ।
2. 'शौरसेनी' प्राकृत इस क्षेत्र की भाषा बतलायी गयी है
 - (1) गुजरातजनपद
 - (2) बुन्देलखण्ड
 - (3) मथुराजनपद
 - (4) मगधजनपद
3. अभिलेखीय-प्राकृत ऐसी मानी जाती है
 - (1) तृतीययुगीन-प्राकृत
 - (2) वैदिकयुगीन-प्राकृत
 - (3) द्वितीययुगीन-प्राकृत
 - (4) प्रथमयुगीन-प्राकृत
4. उत्तराध्ययन के तेइसवें अध्ययन का नाम है
 - (1) गौतम – महावीर
 - (2) केशी – गौतमीय
 - (3) प्रदेशी – केशी
 - (4) नमि – देवेन्द्र
5. प्रवचनसार की रचना इस शताब्दी में की गई है :
 - (1) प्रथम ईस्वी
 - (2) चतुर्थ ईस्वी
 - (3) पंचम ईस्वी
 - (4) षष्ठ ईस्वी
6. प्राकृत में 'प्राकृतम्' शब्द का यह रूप होता है
 - (1) पाइअं
 - (2) पकियं
 - (3) पगयं
 - (4) पाहूअं
7. प्राकृत में इस युग्म की संधि स्वीकृत नहीं है :
 - (1) अ + इ
 - (2) आ + इ
 - (3) इ + उ
 - (4) इ + ई

8. Genitive plural of the word *jiṇa* becomes
- (1) *Jiṇassa* (2) *Jiṇāhimto*
(3) *Jiṇāna* (4) *Jiṇehi*
9. This vowel does not occur in Prakrit
- (1) *au* (2) *ū*
(3) *e* (4) *ī*
10. This is an example of regressive Assimilation
- (1) *Laddho < Labdhaḥ* (2) *Sukkaṃ < Śuklam*
(3) *Takkaṃ < Takram* (4) *Paḍhamam < Prathamam*
11. The subject matter of the *Tiloyapaṇṇatti* is
- (1) Description of three Lokās (2) Story of three births of Mahavira
(3) Story of three traders (4) Narratives of three Tīrthānkaras
12. The main subject matter of *Mulācāra* text is
- (1) Code of conduct of Śramaṇās (2) *Jñānamīmamsā*
(3) *Karmasiddhānta* (4) Description of Triloka
13. The number of *mūlasūtras* of *Ardhamāgadhī āgamasāhitya* is
- (1) Four (2) Fourteen
(3) Six (4) Twelve
14. Read the Unit – I and Unit – II for correct match :
- | Unit – I | Unit – II |
|--------------------------|--------------------------------|
| (a) <i>Aṅga Āgamas</i> | (i) <i>Sukhabodhā</i> |
| (b) <i>Mūlasūtra</i> | (ii) <i>Daśavaikālika</i> |
| (c) <i>Upangla-Āgama</i> | (iii) <i>Jñātādharma-kathā</i> |
| (d) <i>Tīkā</i> | (iv) <i>Aupapātika</i> |
- Choose the correct answer :
- (1) (a) + (iii) (2) (b) + (i)
(3) (c) + (ii) (4) (d) + (iv)
15. The writer of *Tiloyapaṇṇatti* is
- (1) *Kunda-Kunda* (2) *Guṇadhara*
(3) *Puṣpadanta* (4) *Yativṛṣabha*

8. 'जिण' शब्द का षष्ठी बहुवचन रूप यह है
- | | |
|------------|---------------|
| (1) जिणस्स | (2) जिणाहिंतो |
| (3) जिणाण | (4) जिणोहि |
9. यह स्वर प्राकृत में नहीं होता
- | | |
|-------|-------|
| (1) औ | (2) ऊ |
| (3) ए | (4) ई |
10. यह परागत समीकरण का उदाहरण है
- | | |
|--------------------|----------------------|
| (1) लद्धो < लब्धः | (2) सुक्कं < शुक्लम् |
| (3) तक्कं < तक्रम् | (4) पदमं < प्रथमम् |
11. तिलोयपण्णत्ति का यह विषय है
- | | |
|----------------------------|---------------------------------|
| (1) तीन लोकों का वर्णन | (2) महावीर के तीन जन्मों की कथा |
| (3) तीन व्यापारियों की कथा | (4) तीन तीर्थङ्करों का वर्णन |
12. मूलाचार ग्रन्थ की प्रमुख विषयवस्तु है
- | | |
|----------------------|-------------------|
| (1) श्रमणों की चर्या | (2) ज्ञानमीमांसा |
| (3) कर्मसिद्धान्त | (4) त्रिलोक-वर्णन |
13. अर्धमागधी आगम साहित्य के मूलसूत्रों की संख्या है
- | | |
|---------|----------|
| (1) चार | (2) चौदह |
| (3) छह | (4) बारह |
14. प्रथम एवं द्वितीय तालिकाओं को सही मिलान हेतु पढ़ें :
- | तालिका - I | तालिका - II |
|---------------|---------------------|
| (a) अंगआगम | (i) सुखबोधा |
| (b) मूलसूत्र | (ii) दशवैकालिक |
| (c) उपांग-आगम | (iii) ज्ञाताधर्मकथा |
| (d) टीका | (iv) औपपातिक |
- सही उत्तर चुनिये :
- | | |
|-----------------|----------------|
| (1) (a) + (iii) | (2) (b) + (i) |
| (3) (c) + (ii) | (4) (d) + (iv) |
15. तिलोयपण्णत्ति के लेखक हैं –
- | | |
|----------------|-------------|
| (1) कुन्दकुन्द | (2) गुणधर |
| (3) पुष्पदन्त | (4) यतिवृषभ |

16. Read carefully the Unit – I and Unit – II for correct match :

Unit – I

Unit – II

- | | |
|------------------|-------------------------|
| (a) Muktakakāvya | (i) Upadeśamālā |
| (b) Caritakāvya | (ii) Vajjālaggaṃ |
| (c) Kōśakāvya | (iii) Kummaputtacariyaṃ |
| (d) Kathākāvya | (iv) Deśīnāmamālā |

Identify the correct match from the following :

- | | |
|----------------|-----------------|
| (1) (a) + (ii) | (2) (b) + (iv) |
| (3) (c) + (i) | (4) (d) + (iii) |

17. The author of Bhuvanasundarīkahā is

- | | |
|------------------------|---------------------|
| (1) Śubhavarddhanagaṇi | (2) Jayakīrti |
| (3) Jayasiṃhasūri | (4) Munisundarasūri |

18. Choose the correct pair

- (1) Muktakakāvya – Vajjālaggaṃ and Kathākōśa
- (2) Caritakāvya – Gauḍavahō and Kumnāputtacariyaṃ
- (3) Khṇḍakāvya – Candalehā and Uṣāniruddha
- (4) Mahākāvya – Setubandha and Śauricarita

19. Qualities of this king have been described in the Gauḍavahō

- | | |
|----------------|------------------|
| (1) Jayandhara | (2) Mahendrapāla |
| (3) Caṇḍapāla | (4) Yaśōvarma |

20. This is not included in the works of Kundakunda

- | | |
|------------------|-----------------|
| (1) Pravcanasāra | (2) Gommaṭasāra |
| (3) Niyamasāra | (4) Samayasāra |

21. The motif of the story of the Samarāiccakahā is this

- | | |
|--------------------------|----------------------|
| (1) Celebration | (2) Work-management |
| (3) Revengeful intention | (4) Practice of vows |

22. The pleasant description of village life is found in this work

- | | |
|--------------------|--------------------|
| (1) Setubandha | (2) Kaṇsavahō |
| (3) Dhammarasāyaṇa | (4) Gāthāsaptaśatī |

16. सही मिलान के लिए प्रथम एवं द्वितीय इकाईयों को ध्यान से पढ़िये :

इकाई – I

इकाई – II

- | | |
|-----------------|------------------------|
| (a) मुक्तककाव्य | (i) उपदेशमाला |
| (b) चरितकाव्य | (ii) वज्जालगं |
| (c) कोशकाव्य | (iii) कुम्मापुत्तचरियं |
| (d) कथाकाव्य | (iv) देशीनाममाला |

निम्नलिखित में से सही मिलान को पहचानिये :

- | | |
|----------------|-----------------|
| (1) (a) + (ii) | (2) (b) + (iv) |
| (3) (c) + (i) | (4) (d) + (iii) |

17. भुवनसुन्दरी कहा के लेखक हैं ?

- | | |
|-------------------|--------------------|
| (1) शुभवर्द्धनगणि | (2) जयकीर्ति |
| (3) जयसिंहसूरि | (4) मुनिसुन्दरसूरि |

18. सही युग्म चुनिये –

- | | |
|-----------------|-------------------------------|
| (1) मुक्तककाव्य | – वज्जालगं एवं कथाकोश |
| (2) चरितकाव्य | – गडडवहो एवं कुम्मापुत्तचरियं |
| (3) खण्डकाव्य | – चन्दलेहा एवं उषानिरुद्ध |
| (4) महाकाव्य | – सेतुबन्ध एवं शौरिचरित |

19. गडडवहो में इस राजा के गुणों का वर्णन है :

- | | |
|-------------|-----------------|
| (1) जयन्धर | (2) महेन्द्रपाल |
| (3) चण्डपाल | (4) यशोवर्मा |

20. यह कुन्दकुन्द की कृतियों में सम्मिलित नहीं है –

- | | |
|---------------|---------------|
| (1) प्रवचनसार | (2) गोम्मटसार |
| (3) नियमसार | (4) समयसार |

21. समराइच्चकहा की कथा का मूल भाव यह है –

- | | |
|------------------|-------------------------|
| (1) उत्सव मनाना | (2) कार्यों का प्रबन्धन |
| (3) निदान बाँधना | (4) व्रतों का पालन करना |

22. ग्रामीण जीवन का सरस वर्णन इस ग्रन्थ में प्राप्त है :

- | | |
|---------------|-----------------|
| (1) सेतुबन्ध | (2) कंसवहो |
| (3) धम्मरसायण | (4) गाथासप्तशती |

23. Read these statements in terms of the period of composition

- (a) Ānandasundarī Saṭṭaka – 18th century C.E.
(b) Samarāicakahā – 8th century C.E.
(c) Saṃvegaraṅgaśālā – 10th century C.E.
(d) Kuvalayamālā Kahā – 10th century C.E.

Choose the correct answer code :

- (1) (a) + (b) + (c) (2) (b) + (c) + (d)
(3) (c) + (d) (4) (a) + (b)

24. Maximum number of Prakrit languages are used in this work

- (1) Veṇīsaṃhāra (2) Mṛcchakaṭikam
(3) Mudrārākṣasa (4) Karpūramañjarī

25. The story of Uṣāniruddha text is based on

- (1) Ācārāṅgasūtra (2) Upaniṣad
(3) Śrīmadbhāgavata (4) Bhagavadgītā

26. 'Mahāmeghavāhana' was the attribution with the name of this emperor

- (1) Emperor Aśoka (2) Emperor Khāavela
(3) Emperor Chandragupta (4) Emperor Vikramāditya

27. The subject matter of Khāavela Inscription has been inscribed in these number of lines

- (1) Five (2) Nine
(3) Six (4) Seventeen

28. This war has changed the life of Emperor Aśoka

- (1) Kalinga (2) Kāmbhoja
(3) Āndhra (4) Nābhaka

29. The language of the inscription of Girnāra version of Emperor Aśoka is this

- (1) Sanskrit (2) Gujarati
(3) Tamil (4) Prakrit

23. रचनाकाल के संदर्भ में ये कथन पढ़िए –
- (a) आनन्दसुन्दरी सट्टक – 18वीं शताब्दी ई.
 (b) समराइच्चकहा – 8वीं शताब्दी ई.
 (c) संवेगरंगशाला – 10वीं शताब्दी ई.
 (d) कुवलयमाला कहा – 10वीं शताब्दी ई.
- सही उत्तर कूट को चुनिए :
- (1) (a) + (b) + (c) (2) (b) + (c) + (d)
 (3) (c) + (d) (4) (a) + (b)
24. सबसे अधिक प्राकृत भाषाएँ इस ग्रन्थ में प्रयुक्त हैं :
- (1) वेणीसंहार (2) मृच्छकटिकम्
 (3) मुद्राराक्षस (4) कर्पूरमंजरी
25. उषानिरुद्ध ग्रन्थ की कथा का आधार यह है :
- (1) आचारांगसूत्र (2) उपनिषद्
 (3) श्रीमद्भागवत (4) भगवद्गीता
26. 'महामेघवाहन' इस सम्राट् की उपाधि है
- (1) सम्राट् अशोक (2) सम्राट् खारवेल
 (3) सम्राट् चन्द्रगुप्त (4) सम्राट् विक्रमादित्य
27. खारवेल शिलालेख की वर्ण्य-सामग्री इतनी पंक्तियों में लिखित है –
- (1) पाँच (2) नौ
 (3) छह (4) सत्रह
28. इस युद्ध ने सम्राट् अशोक की जीवन-धारा ही बदल दी –
- (1) कलिंग (2) कम्भोज
 (3) आन्ध्र (4) नाभक
29. सम्राट् अशोक के गिरनार शिलालेखों की भाषा यह है
- (1) संस्कृत (2) गुजराती
 (3) तमिल (4) प्राकृत

30. Read the Unit – I and II for the correct match :

Unit – I

Unit – II

- | | |
|---|--------------------------------|
| (a) Anuvataṛam savalokahitāya | (i) Third Girnar inscription |
| (b) Ta Mayā bahu Kalāṇam kataṛm | (ii) Fourth Girnar inscription |
| (c) Dhammacaraṇe pi na bhavati asīlāsa | (iii) Fifth Girnar inscription |
| (d) Dvādasavāsābhisitena mayā idam āṇapitam | (iv) Sixth Girnar inscription |

Identify the correct answer :

- | | |
|-----------------|----------------|
| (1) (a) + (iii) | (2) (b) + (ii) |
| (3) (c) + (iv) | (4) (d) + (i) |

31. Period of composing the Gāhā-lakkhaṇa is

- | | |
|---------------------------|---------------------------|
| (1) 10 th A.D. | (2) 12 th A.D. |
| (3) 14 th A.D. | (4) 13 th A.D. |

32. This group belongs to the texts of prosody

- (1) Kavidaṛpaṇa, Prakrit-Paiṅgalaṃ, Kāvyaṛprakāśa
- (2) Gāhālakkhāṇa, Kavidaṛpaṇa, Prakrit-paiṅgalaṃ
- (3) Kāvyaṛprakāśa, Kavidaṛpaṇa, Prakrit-paiṅgalaṃ
- (4) Prakrit-paiṅgalaṃ, Kāvyaṛprakāśa, Gāhālakkhāṇa

33. This text is not considered to be the prosody

- | | |
|------------------|-----------------------|
| (1) Kavidaṛpaṇa | (2) Rāyaṇāvali |
| (3) Gāhālakkhāṇa | (4) Prakrit-Paiṅgalaṃ |

34. The subject-matter of Vṛttajātismuccāya is

- | | |
|---------------|--------------|
| (1) Kośa | (2) Chhanda |
| (3) Vyākaraṇa | (4) Alaṅkāra |

35. The examples of Sanskrit, Prakrit and Apabhraṃśa metres are found in this text

- | | |
|-----------------------|---------------------|
| (1) Vṛttajātismuccāya | (2) Gāhālakkhāṇa |
| (3) Kavidaṛpaṇa | (4) Svayambhūchanda |

36. The period of composing the text chandaḥ-kośa is

- | | |
|-----------------------------------|-----------------------------------|
| (1) 13 th century C.E. | (2) 14 th century C.E. |
| (3) 9 th century C.E. | (4) 10 th century C.E. |

30. प्रथम एवं द्वितीय इकाईयों को पढ़िए और सही मिलान कीजिए –

इकाई – I

- (a) अनुवृत्तरं सवलोक हिताय
(b) त मया बहु कलाणं कृतं
(c) धंमचरणे पि न भवतिअसीलस
(d) द्वादसवासाभिसितेन मया इदं
आजपितं

इकाई – II

- (i) तीसरा गिरनार शिलालेख
(ii) चौथा गिरनार शिलालेख
(iii) पांचवां गिरनार शिलालेख
(iv) छठा गिरनार शिलालेख

सही उत्तर की पहचान कीजिए :

- (1) (a) + (iii)
(2) (b) + (ii)
(3) (c) + (iv)
(4) (d) + (i)

31. गाहालक्षण का रचना काल है

- (1) 10वीं शती ई. (2) 12वीं शती ई.
(3) 14वीं शती ई. (4) 13वीं शती ई.

32. यह वर्ग छन्द-ग्रन्थों से सम्बन्धित है –

- (1) कविदर्पण, प्राकृतपैंगलम्, काव्यप्रकाश
(2) गाहालक्षण, कविदर्पण, प्राकृतपैंगलम्
(3) काव्यप्रकाश, कविदर्पण, प्राकृतपैंगलम्
(4) प्राकृतपैंगलम्, काव्यप्रकाश, गाहालक्षण

33. छन्द-ग्रन्थों में यह ग्रन्थ सम्मिलित नहीं है –

- (1) कविदर्पण (2) रयणावलि
(3) गाहालक्षण (4) प्राकृतपैंगलम्

34. वृत्तजातिसमुच्चय का मुख्य विषय है –

- (1) कोश (2) छन्द
(3) व्याकरण (4) अलंकार

35. संस्कृत, प्राकृत एवं अपभ्रंश छन्दों के उदाहरण इस ग्रन्थ में पाये जाते हैं –

- (1) वृत्तजातिसमुच्चय (2) गाहालक्षण
(3) कविदर्पण (4) स्वयंभूछन्द

36. छन्दःकोश ग्रन्थ का रचना काल है

- (1) 13वीं शती ई. (2) 14वीं शती ई.
(3) 9वीं शती ई. (4) 10वीं शती ई.

37. In Śaurasenī the suffix-ktvā is changed into
 (1) tta (2) uno
 (3) ūṇa (4) dūṇa
38. The conjunct 'stha' in Māgadhī is changed into
 (1) ttha (2) tha
 (3) sta (4) stha
39. The word 'tailam' is changed into Prakrit as
 (1) tellam (2) telam
 (3) tailam (4) tilam
40. Intervocalic kha, gha, tha, dha and bha in Prakrit are changed into
 (1) jha (2) chha
 (3) ha (4) pha
41. This is an example of Aspiration
 (1) atasī > alasi (2) kandukam > genduaṃ
 (3) pāribhadraḥ > phālihaddo (4) kanakam > kaṇagaṃ
42. Read the Unit – I and II for correct match of terms and number of types :
- | Unit – I | Unit – II |
|----------------|--------------|
| (a) Dravya | (i) Fourteen |
| (b) Astikāya | (ii) Two |
| (c) Ākāśa | (iii) Six |
| (d) Jīvasamāsa | (iv) Five |
- Identify the correct answer code :
- (1) (a) + (i) (2) (b) + (iv)
 (3) (c) + (iii) (4) (d) + (ii)
43. "Egaṃ jinejja _____, esa se paramo jao" here 'egaṃ' denotes this _____
 (1) Sahassaṃ Sahassāṇaṃ (2) Saṅgāmaṃ
 (3) Appāṇaṃ (4) Gharaṃ

37. शौरसेनी प्राकृत में 'क्त्वा' प्रत्यय का यह परिवर्तन होता है –
 (1) त्ता (2) उनो
 (3) ऊण (4) दूण
38. संयुक्त-व्यंजन 'स्थ' का मागधी में यह परिवर्तन होता है –
 (1) त्थ (2) थ
 (3) स्त (4) स्थ
39. प्राकृत में 'तैलम्' शब्द का परिवर्तन यह होता है –
 (1) तेल्लं (2) तेलं
 (3) तैलं (4) तिलं
40. स्वर-मध्यवर्ती ख, घ, थ, ध एवं भ का प्राकृत में यह परिवर्तन होता है –
 (1) झ (2) छ
 (3) ह (4) फ
41. यह महाप्राणीकरण का उदाहरण है –
 (1) अतसी > अलसी (2) कन्दुकम् > गेंदुअं
 (3) पारिभद्रः > फालिहद्वो (4) कनकम् > कणगं
42. तालिका-I तथा II के पदों तथा भेद संख्या को, सही मिलान करने हेतु, पढ़ें –
- | तालिका - I | तालिका - II |
|--------------|-------------|
| (a) द्रव्य | (i) चौदह |
| (b) अस्तिकाय | (ii) दो |
| (c) आकाश | (iii) छः |
| (d) जीवसमास | (iv) पाँच |
- सही उत्तर कूट पहिचानिये :
- (1) (a) + (i)
 (2) (b) + (iv)
 (3) (c) + (iii)
 (4) (d) + (ii)
43. "एगं जिणेज्ज , एस से परमो जओ" यहाँ 'एगं' से इसका संकेत है –
 (1) सहस्सं सहस्साणं (2) संगामं
 (3) अप्पाणं (4) घरं

44. 'Kasāyā aggiṇo vuttā' this statement in Uttarādhyayana is told by _____.
- (1) Goyamo (2) Kesī
(3) Nami (4) Devindo
45. "Cārittaṃ khalu dhammo" this statement is quoted from this text
- (1) Samayasāra (2) Niyamasāra
(3) Pravacansāra (4) Tiloyasāra
46. This group belongs to Sanmatitarka prakaraṇa
- (1) Satthapariṇṇā – Logvijaya – Vimokkha
(2) Jñānādhikāra – Jñeyādhikāra – Cāitrādhikāra
(3) Sandhivicchedo – Vyavahāro – Saṃhāro
(4) Nayakaṇḍayaṃ – Jīvakaṇḍayaṃ – Aṇegantaṇḍayaṃ
47. The number of acts of Mṛcchakatika Prakaraṇa is
- (1) 5 (2) 7
(3) 9 (4) 10
48. 'Bho ! sake gehe kukkuro vi dāvacando bhodi' in this statement 'dāvacando' reflects
- (1) Lion (2) Dog
(3) Deer (4) Cow
49. According to Udyotanasūri Akkhevaṇī – Vikkhevaṇī – Saṃvegajaṇaṇī – ṇivveyajaṇaṇī, these four types belong to this kathā _____
- (1) Kāmakahā (2) Atthakahā
(3) Dhammakahā (4) Parihāsakahā
50. Read the Unit – I and II for correct match :
- | Unit – I | Unit – II |
|----------------------|---------------|
| (a) Alāṅkāradappaṇa | (i) Vyākaraṇa |
| (b) Kavidaṛpaṇa | (ii) Chanda |
| (c) Prākṛit-Sarvasva | (iii) Kośa |
| (d) Ardhamāgadhīkośa | (iv) Alāṅkāra |
- Identify the correct answer :
- (1) (a) + (iv) (2) (b) + (iii)
(3) (c) + (ii) (4) (d) + (i)

44. 'कसाया अगिगणो वुत्ता' उत्तराध्ययन सूत्र का यह कथन इन्होंने कहा –
 (1) गोयमो (2) केशी
 (3) णमि (4) देविंदो
45. "चारित्तं खलु धम्मो" यह कथन इस ग्रन्थ से उद्धृत है –
 (1) समयसार (2) नियमसार
 (3) प्रवचनसार (4) तिलोयसार
46. यह सन्मतितर्कप्रकरण से सम्बन्धित वर्ग है –
 (1) सत्थपरिण्णा – लोगविजय – विमोक्ख (2) ज्ञानाधिकार – ज्ञेयाधिकार – चारित्राधिकार
 (3) सन्धिविच्छेदो – व्यवहारो – संहारो (4) णयकंडयं – जीवकंडयं – अणेगंतकंडयं
47. मृच्छकटिक प्रकरण के अंकों की संख्या है –
 (1) 5 (2) 7
 (3) 9 (4) 10
48. 'भो ! सके गेहे कुक्कुरो वि दावचण्डो भोदि' इस कथन में 'दावचण्डो' का अभिप्राय है –
 (1) शेर (2) कुत्ता
 (3) हिरण (4) गाय
49. उद्योतनसूरि के अनुसार अक्खेवणी - विक्खेवणी - संवेगजणणी - णिव्वेयजणणी ये चार प्रकार इस कथा के हैं –
 (1) कामकहा (2) अत्थकहा
 (3) धम्मकहा (4) परिहासकहा
50. प्रथम एवं द्वितीय तालिकाएँ पढ़िए और सही मिलान कीजिए –
- | इकाई-I | इकाई-II |
|---------------------|-------------|
| (a) अलंकारदप्पण | (i) व्याकरण |
| (b) कविदर्पण | (ii) छन्द |
| (c) प्राकृत सर्वस्व | (iii) कोश |
| (d) अर्धमागधीकोश | (iv) अलंकार |
- सही उत्तर की पहिचान कीजिए :
- (1) (a) + (iv)
 (2) (b) + (iii)
 (3) (c) + (ii)
 (4) (d) + (i)

Space For Rough Work